

नाम:- छांगा लक्ष्मी लक्ष्मी

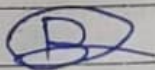
सैम:- 2

रोल नं:- 306

विषय :- COC - Banking and Finance

डॉड:- 202

PRN no:- COC 2025306

सही - 

प्रश्न 3 बैंक नी अधी खापी बैंकना विविध प्रकारा समझयी.

बैंक बैंड सेवा संस्था हो के माता।
अन तेना विडल्या तचा माता। संबंधित
अन्य सेवाया पूरी चाडे हो नातादीप
मददरथा तखेडिनी लुमिडल्या बैंड पुपला
स्वीकारे हो अन लोन खापी हो। त
पाचला खाडपुला अन सेवा खावणा चार अन
उदार लोनखाया पासची प्रबुलुवाय। खावना
त्याक हावा अधवा मूडा मलय हो.

दुसरी बैंड नातादीप व्यवस्थापन
अन प्रयुक्त्या इंड अन क्रेडिट कार्ड सेवा
उत्पादना कवावहावीय। पण माता तखेड
सेवा खापी हो अटल उ खुडवागी अन
विनिमयना सामान्य रीत खीडून ग्रह्यत तखेड

- भारतना परिक्षेत्रमा लोड अटल उ
- भारतमा बैंकिंगनु नियमनु बैंकिंग रेग्युलेशन
अक्ट 1959 डेल बाय हो. या अध्यायमा
बैंड अन बैंकिंगनी व्याख्या खापी मुख्य
खापवामा खापी हो.

बैंकिंगनी व्याख्या (सेक्शन 5):

बैंकिंग अटल ताको पासची
नातानी खापला स्वीकारवी, अन उपाय
विवरण (लोन) खापवा अचुपा रीडाण
माटे बाय, अन के बापला मांगली पर

अथवा राष्ट्रपति पत्रत मुद्रा का रूप में
 बैंड, नोट बैंड अथवा राष्ट्रपति का रूप में जारी
 का रूप में या व्यापक बैंड में प्रकृतियां
 की 5 कापण स्वीकार की अथवा विशेष
 आपदाओं में है

• बैंकिंग कंपनी संरक्षण 5(प) :

बैंकिंग कंपनी अथवा सीवी कंपनी
 प्राथमिक बैंकिंगों व्यवसाय कर है अथवा
 5 अथवा व्यापक प्रकृतियां अथवा 5

• रिजर्व बैंक :

रिजर्व बैंक अथवा एरिडिया (RBI) अथवा
 1934 में बिक्रि अथवा रिजर्व बैंक
 रिजर्व बैंक अथवा अथवा अथवा अथवा
 बैंक अथवा एरिडिया नेशनल बैंक अथवा
 बैंक अथवा बैंक अथवा प्रकृतियां अथवा
 बैंक अथवा अथवा अथवा अथवा

• नोट :

बैंकिंग संयुक्त अथवा 1949 में अथवा
 अथवा सीवी व्यापक आपदाओं अथवा
 अथवा बैंकिंग प्रकृतियां अथवा अथवा
 अथवा अथवा अथवा अथवा अथवा

બંકના વિવિધ પ્રકારો :

બંકના વિવિધ પ્રકારો મીઠી મુજબ છે

- 1 કન્ટ્રીય બંક
- 2 વાલિજિય બંક
- 3 વ્યવહારી બંક
- 4 પ્રાદેશિક ગ્રામિણ બંક (RRBS)
- 5 વિકાસ બંક
- 6 વિદેશી બંક
- 7 વિશેષિત બંક

બંકના વિવિધ પ્રકારો સમજાવો :

1. વાલિજિય બંક :

વાલિજિય બંક એ એક પ્રકારની નાણાકીય સંસ્થા છે જે સામાન્ય લોકો માટે નાણાં જમાવવા અને આગળ વેકેશન પ્રાઇ લોન આપવા અને આવી અન્ય પ્રવૃત્તિઓ સંબંધિત તમામ કુશળીની કરે છે. આ બંકો નફો કરતી સંસ્થાઓ છે એન ફક્ત નફો આપવા માટે જ વ્યવસ્થા કરે છે.

વાલિજિય બંકના બે મુખ્ય લક્ષણો છે. દિવસ અને ઉદાર બંક આપણો મેળવે છે અને આજીવન (નફો) મેળવવા માટે વિવિધ ડીપોઝિટ્સને નાણાં આપે છે. બંક આપણદારીને જે વ્યાજ દર આપે છે તેને ઉદાર દર તરફ સીલખવામાં આવે છે. જ્યારે બંક જ દર નાણા ઉદાર આપે છે. સીલખવામાં આવે છે.

वाणिज्यिक बैंकों का प्रकार :

- 1 पब्लिक बैंक
- 2 प्राइवेट बैंक
- 3 रिजर्व बैंक

वाणिज्यिक बैंकों की श्रेणियाँ :

मुख्य श्रेणियाँ

- 1 धारण शाखा
- 2 पापली शाखा

गौण श्रेणियाँ

- 1 स्पेशलिटी श्रेणियाँ
- 2 सामान्य उद्योगी श्रेणियाँ

वाणिज्यिक बैंकों में प्रवृत्तियाँ :

- 1 बैंक प्रवाह प्रणाली का कार्य है।
- 2 अर्थतंत्र को ढंग का कार्य है।
- 3 वित्तियन व्यवस्था का कार्य है।
- 4 अर्थतंत्र को बैंकिंग प्रोत्साहन का कार्य है।

भारत में वाणिज्यिक बैंकों की व्यवस्था :

- 1 स्टेट बैंक ऑफ इंडिया
- 2 एच.डी.एफ. बैंक
- 3 आई.डी.बी. बैंक
- 4 एच.डी.एफ. बैंक
- 5 एच.डी.एफ. बैंक

2. सरकारी बैंक

प्रस्तावना - समग्र विषयमा आफ्नै सरकारी प्रवृत्ति भैवा मर्ने छे

- हिसाभा बैंक पछि विद्यारसरागी व्यवस्था होय पछि सरकारी क्षेत्र लगायतमा भैवा मर्ने छे

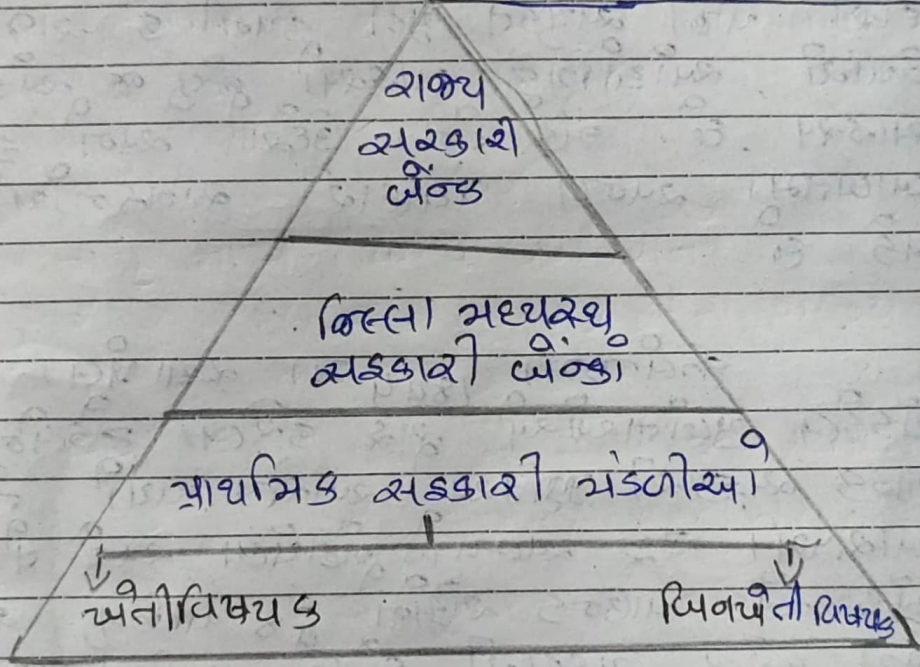
सरकार (आर्थिक क्षेत्र) : स्वर्द्धित माट लाडा होवा व्यावसाय आवता वैपारी संगठननु अडै स्वउच सरकारी संगठन लाडितगत माविडा लागी- हारी पैठो संयुक्त भुडी कुपनी डै राज्यसंवाहित वैपारी, आँद्यागिडु साइव्या कुँकु न अडै धडाहारी साइव्य छे भडै वीन) उद्देशा अण कुर्पप्रचर्तनमा प्राप्तमा अण्य धडाहारी संगठनया नहुनु पडै छे

ईंग्लैण्डमा 1844 मा स्थापित अणै शैडडैय पुर्णतास्यै शर करैला टडैलेन ररैसर्ग ग्राडकु सरकारी प्रवृत्तिस्या आरंत्प राया लैमा आरंत्पमा टडु अण्य ग्राडपैला अणै नै पुर्णडै अडै अडै पाडिण्ड शैडैण टडु पाडिण्ड शर लडैण लैण्डे करैकु सरकारी धारैण अस्तित्त्वामा साँडैला स्या अडै ग्राडकु लडाव इला 19 मी सडीना अ पर्समा वैपारीस्य अणै उत्पाडु विविध रीती ग्राडकु नु शौषाण कुस्ता इला लैमाचा ग्राडकुन पास डरीन कामहारीनै कारी लैवाना बड इती धडैपैण्डनी नैमी स्वीकण पगैर अण्य कुँलाडु हिसाभा पछि 1870 पछीना पर्समा ग्राडकु सरकारी प्रवृत्ति विस्तरी

सहकारना तक्षणां सचवा सिधांतः

स्वैरधीड सन पुल्लु सव्यपद
सलासहीनी सार्धिडु सहलागीहाशी
सहकारी संख्यासा पक्ष्य सहकार
स्वायना सन स्वतंत्रता
सलासहीनी लोकशाही संधुवा
बिधाण , तापीम सन माहिती
समज परत्व उतवहापित्व

सहकारी जीविकगण्डु माण्डुः



सहकारी जेण्डु मंडल :

नागाडीयू समापे
इसि सन ग्रामीण विकास माट समर्पण
समुदाय सहायित्व
सार्धिक विकास

पडकारा र्गण नवकारिया

- 1 नागाडीय अनियमितताया
- 2 ग्रामीण संसाधन
- 3 शासनना मुद्दाया
- 4 कृषि

लातमा र्गण सडकारा ङुडी

- 1 सार्वत सडकारा ङुडी
- 2 कौमारेन कौमारेणरिप ङुडी
- 3 रामराप विडुल कौमारेणरिप (सडकारा ङुडी)
- 4 अलुडय कौमारेणरिप ङुडी
- 5 लात कौमारेणरिप ङुडी
- 6 पागे कनरा सडकारा ङुडी (IIFB)
- 7 कलपुर कौमारेणरिप कौमारेणरिप ङुडी

निडर्षः

लातमा सडकारा ङुडी नागाडीय समापरे प्रोसाडुन आपुवा र्गण ग्रामीण र्गण शडरे समुदायन डेन आपुवा गार अनि-पाच ह. सरकार र्गण पररपर लातना विपदानया मुल धरावुता नमना सन्ध-संसाधित नुडले नमन पाणिचिड ङुडीपु अलग पाडे ह. नागाडीय अनियमितताया र्गण शासनना मुद्दाया र्गण पडकारा ङुडी हना र्गुडीना नामा व्यक्ताया र्गण पंखिन परतीन सडाकनु पनापवातु। नमनी नुमिडा र्गण ड र्गुडी ह. विकासन प्रोसाडन आपुवी.